पत्रकार अपनी अंतरात्मा की आवाज को पहचानें : प्रो. कमल दीक्षित

राजकोट - 16 सितम्बर, 2009 : 'पत्रकारो को स्वयं अपने आत्मा को मजबुत करना अति आवश्यक है । वे अपनी अंतरात्मा की आवाज को पहचाने तथा सम्मान दें।' यह बात सुप्रसिद्ध जर्नालिस्ट प्रो. कमल दीक्षितजी ने यहा आयोजित मीडिया संवाद में रखी। उन्होंने आगे कहा की महात्मा गांधीजी की कर्मभूमि राजकोट में आने का उनका संकल्प आज पूरा हुआ... गांधीजी ने भी मीडिया के द्वारा ही मूल्यनिष्ट समाज के निर्माण में जनजागृति लाकर श्रेष्ट योगदान दीया था।

दैनिक 'फुलछाब ' के तंत्री भ्राता कौशिकभार्र महेता ने अपने उद्‌बोधन में बताया की इस प्रकार के सेमिनार की आज बहुत जरुरी है। मीडिया शक्तिशाली बना है किंतु उसकी विश्वसनियता का ग्राफ नीचे उतरता जा रहा है। पत्रकारो में नैतिक जाग्रिति लाने की जरुरत है। अपनी दिशा को स्वयं निर्धारित करना पडेंगा।

राजकोट सबजोन संचालिका ब्र.कु.भारतीदीदी परमात्मा से प्राप्त लेखनकला की कलम का सुंदर सदुपयोग करना चाहिए। भय, निराशा आदि समस्याओ के लिये ईश्वरीय शक्तियों की जरुरत है।

ब्रह्माकुमारीज मीडिया विंग के नेशनल कोर्डीनेटर ब्र.कु.सुशांतभाई ने बताया की मीडिया समाज के हर क्षेत्र की सेवा कर रहा है, परंतु मीडिया की सेवा कौन करें? मीडिया शक्तिशाली है परंतु वर्तमान परिस्थितियों का सामना करने तथा भ्रांति, भय और भोगवाद से मुक्त होने के लिये आध्यात्मिक बल ही एकमात्र साधन है।

ब्रह्माकुमारीज मीडिया विंग के हेड क्वार्टर कोर्डीनेटर ब्र.कु. शांतनुभाई ने संस्था तथा मीडिया विंग से अवगत कराते कहा की इस विद्यालय का मूख्य सूत्र है- स्वपरिवर्तन से विश्वपरिवर्तन ।

इस कार्यक्रम में प्रिन्ट, इलेक्ट्रोनिक और साइबर मीडिया से जुडे 150 मीडियाकर्मियों ने भाग लिया। एवं राजकोट तथा जुनागढ के जर्नालिझम कोलेज के अध्यापक तथा विद्यार्थी भी सामिल थे।

कार्यक्रम की शरुआत प्रभुपिता की याद से हुई... भारतीय संस्कृति की परंपरा के अनुसार फुलोसे और कु.देविका ने नृत्य के साथ स्वागत किया।

इस कार्यक्रम का सफल संचालन राजयोग शिक्षीका तथा मीडिया विंग के सबजोनल कोर्डीनेटर ब्र.कु. अंजुबहन ने किया।